

सिद्ध चिकित्सा प्रणाली के विकास के लिए आवेदन पत्र

ASHAC 19-12/02

19/12/2024

प्राप्तकर्ता

वैद्य राजेश कोटेचा

सचिव,

केंद्रीय आयुष मंत्रालय,

भारत सरकार.

आदरणीय महोदय,

विषय: सिद्ध चिकित्सा के विकास हेतु निम्नलिखित 10 मांगों की पूर्ति हेतु याचिका - के संबंध में

भारत के माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में, आयुष चिकित्सा क्षेत्र बहुत अच्छा विकास हो रहा है। आयुष चिकित्सा का विकास न केवल भारत में बल्कि अन्य देशों में भी सराहनीय है। लेकिन सिद्ध चिकित्सा ने तमिलनाडु के साथ अपना विकास रोक दिया है।

यह केवल भारत सरकार, केंद्रीय आयुष मंत्रालय और उनके उत्कृष्ट प्रशासनिक कौशल के माध्यम से है कि तमिल, जो भारत की पारंपरिक भाषाओं में से एक है, उसके अद्वितीय सिद्ध चिकित्सा को दुनिया के सामने ला सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए, हम निम्नलिखित विकास परियोजनाओं को आपके ध्यान में ला रहे हैं।

1. सिद्ध चिकित्सा के लिए अखिल भारतीय सिद्ध चिकित्सा केंद्र की स्थापना।
2. तमिलनाडु के तटीय क्षेत्र, जिसे पवित्र भूमि के रूप में पूजा जाता है, रामेश्वरम में एक पारंपरिक सिद्ध चिकित्सा संग्रहालय स्थापित करने का अनुरोध।
3. सिद्ध चिकित्सा की एक विशेष चिकित्सा प्रणाली, वर्म चिकित्सा पर जोर देने के साथ निकटवर्ती दक्षिण क्षेत्र कन्याकुमारी में एक विशेष वर्म चिकित्सा उपचार इकाई और अनुसंधान केंद्र स्थापित करने का अनुरोध।
4. सिद्ध चिकित्सा में प्रयुक्त उच्च धातु औषधियों के परीक्षण हेतु वाराणसी में औषधि प्रयोगशाला स्थापित करने का अनुरोध

5. पूर्वोत्तर भारत के असम और अरुणाचल प्रदेश क्षेत्र में मध्य सिद्ध चिकित्सा अनुसंधान समूह के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र की स्थापना के लिए अनुरोध।
6. गुजरात, बेंगलुरु या किसी अन्य राज्य में सैटेलाइट सिद्ध चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र स्थापित करने का अनुरोध
7. पारंपरिक जड़ी-बूटियों और रामायण में वर्णित पहाड़ियों से समृद्ध कुट्टालम के पहाड़ी क्षेत्र में एक राष्ट्रीय औषधीय पादप संरक्षण केंद्र की स्थापना।
8. प्राचीन सिद्ध चिकित्सा के संरक्षण और अनुवाद की सुविधा के लिए तमिल, अंग्रेजी, संस्कृत और हिंदी में अनुवाद की सुविधाओं के साथ दिल्ली में पुस्तकालय और अनुवाद केंद्र की स्थापना।
9. मलेशिया, सिंगापुर, वियतनाम, बर्मा, श्रीलंका और संयुक्त राज्य अमेरिका में सिद्ध चिकित्सा सीटों की स्थापना जिससे विदेशों में सिद्ध चिकित्सा प्रशिक्षण और अध्ययन को बढ़ावा दिया जा सके।
10. वर्तमान में मवेशियों के लिए सिद्ध औषधियाँ बेची जा रही हैं। इस के लिए तमिलनाडु में सिद्ध पशु चिकित्सा अनुसंधान केंद्र की स्थापना

हम आपके विचार हेतु उपरोक्त अनुरोध लाना चाहते हैं। हम आपसे विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि उपरोक्त अनुरोधों पर विचार करें और सिद्ध चिकित्सा को विकसित करने और आयुष चिकित्सा को विश्व स्तर पर ले जाने के प्रयास में सिद्ध चिकित्सा को शामिल करने की आवश्यकता को केंद्र सरकार के ध्यान में लाएं।

धन्यवाद

आपके

डॉ. जे. जय वेंकटेश डॉ. | बी. सेंटिलकुमार डॉ. | पा. मणिकंडन

सिद्ध चिकित्सा अस्पताल और क्लिनिक एसोसिएशन, मदुरै